**भारत सरकार**

**श्रम और रोजगार मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या-2294**

**बुधवार, 25 अप्रैल, 2012/5 वैशाख, 1934 (शक)**

**रोजगार के अवसरों की तुलना में श्रमशक्ति में वृद्धि**

**2294. श्रीमती कानीमोझी:**

**क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) अगले तीन वर्षों में श्रमिक शक्ति में अनुमानित वृद्धि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;**

**(ख) अगले तीन वर्षों के लिए रोजगार अवसरों में अनुमानित वृद्धि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और**

**(ग) श्रमिक शक्ति में अनुमानित वृद्धि को बनाए रखने के लिए पर्याप्त रोजगार अवसर उत्पन्न करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?**

**उत्‍तर**

**श्रम और रोजगार मंत्री**

**(श्री मल्लिकार्जुन खरगे)**

(क) एवं (ख) रोजगार तथा बेरोजगारी के विश्वसनीय अनुमान पंचवर्षीय श्रम बल सर्वेक्षणों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। ऐसा पिछला सर्वेक्षण 2009-10 में किया गया था। श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा अगले तीन वर्षों में श्रम बल और रोजगार में आकलित वृद्धि दर का ब्‍यौरा नहीं रखा गया है।

(ग) भारत सरकार देश में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में अतिरिक्‍त रोजगार अवसरों के सृजन हेतु सामान्य विकास प्रक्रिया तथा विभिन्न रोजगार सृजन योजनाओं के कार्यान्वयन द्वारा लगातार प्रयास करती रही है। कुछ महत्वपूर्ण योजनाएं हैं-अतिलघु, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे उद्यमीय विकास कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी); स्‍वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (एसजेएसआरवाई), स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई) तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए)।

\*\*\*\*\*